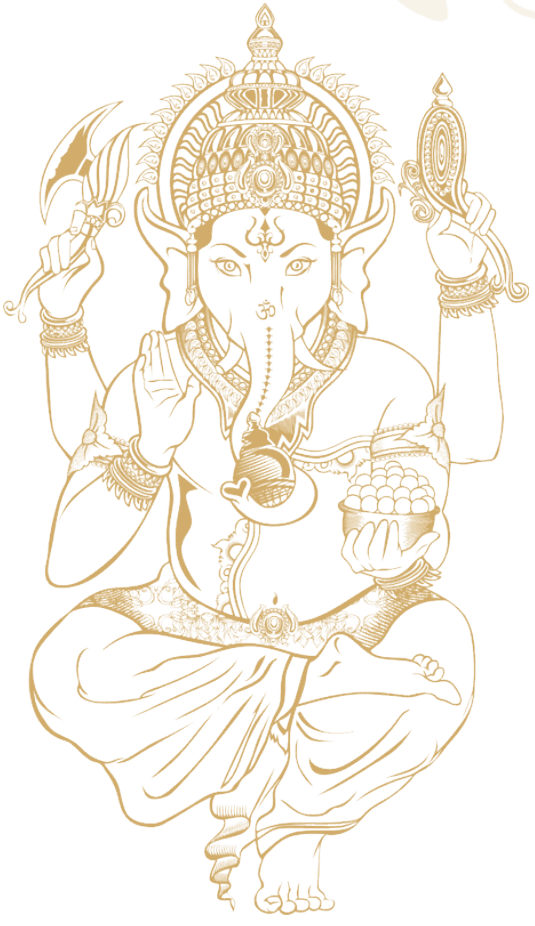

Rakesh raj solanki

30 Apr 2005

10:00 PM

Merta

Model: web-freekundliweb

Order No: 121144706

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**30/04/2005**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**22:00:00 घंटे**
इष्ट	40:08:08 घटी
स्थान	**Merta**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:39:00 उत्तर
रेखांश	74:07:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:33:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:26:28 घंटे
वेलान्तर	00:02:47 घंटे
साम्पातिक काल	12:01:20 घंटे
सूर्योदय	05:56:44 घंटे
सूर्यास्त	19:05:13 घंटे
दिनमान	13:08:28 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	16:29:19 मेष
लग्न के अंश	25:04:18 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 4**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	शुभ
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	सिंह
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	जी-जीवन
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	25:04:18	318:53:14	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
सूर्य			मेष	16:29:19	00:58:15	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	उच्च राशि
चंद्र			मक	08:48:25	14:15:15	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	सम राशि
मंगल			कुंभ	05:45:15	00:43:31	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	सम राशि
बुध			मीन	19:51:20	01:09:42	रेवती	1	27	गुरु	बुध	शुक्र	नीच राशि
गुरु	व		कन्या	16:50:26	00:05:54	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	24:23:02	01:13:58	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	सम राशि
शनि			मिथु	27:51:22	00:04:04	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		मीन	28:43:46	00:00:42	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	सम राशि
केतु	व		कन्या	28:43:46	00:00:42	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	16:01:25	00:02:05	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	---
नेप			मक	23:34:18	00:00:38	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	---
प्लूटो	व		धनु	00:16:42	00:01:01	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	---
दशम भाव			कन्या	06:25:49	--	उ०फाल्गुनी	--	12	बुध	सूर्य	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:55:46

लग्न-चलित

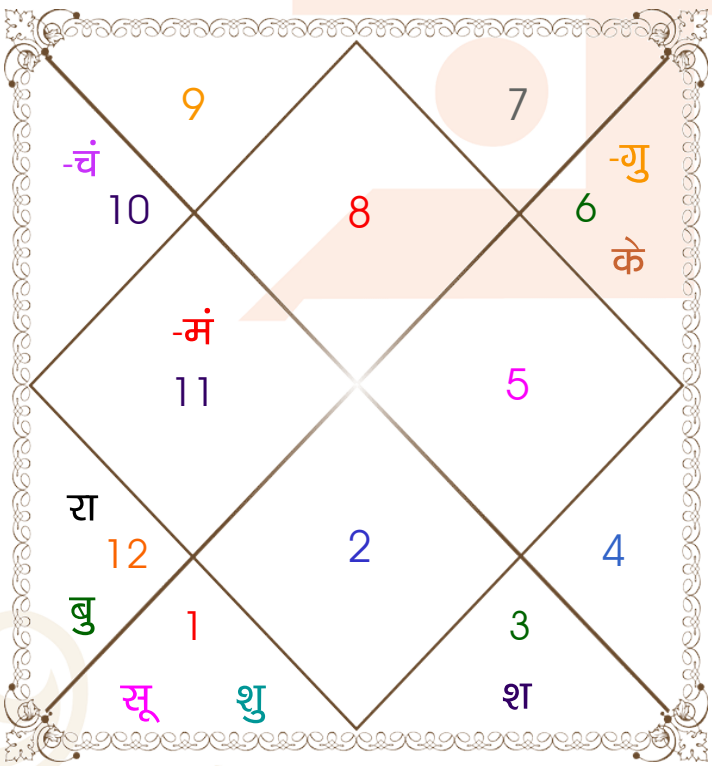

चन्द्र कुंडली

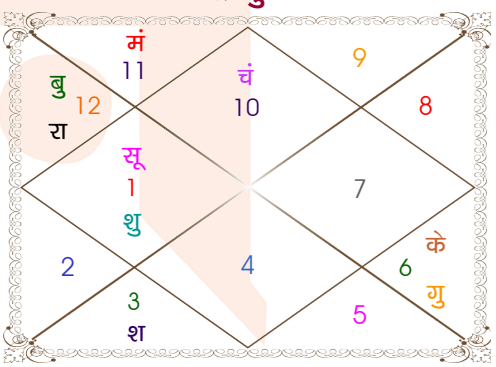

नवमांश कुंडली

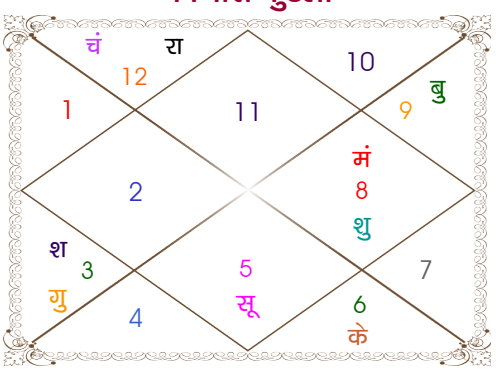

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 0 वर्ष 6 मास 13 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
30/04/2005		13/11/2005		13/11/2015		13/11/2022		12/11/2040	
13/11/2005		13/11/2015		13/11/2022		12/11/2040		12/11/2056	
	00/00/0000	चंद्र	13/09/2006	मंगल	10/04/2016	राहु	26/07/2025	गुरु	31/12/2042
	00/00/0000	मंगल	14/04/2007	राहु	29/04/2017	गुरु	20/12/2027	शनि	14/07/2045
	00/00/0000	राहु	13/10/2008	गुरु	05/04/2018	शनि	26/10/2030	बुध	20/10/2047
	00/00/0000	गुरु	12/02/2010	शनि	14/05/2019	बुध	14/05/2033	केतु	25/09/2048
	00/00/0000	शनि	13/09/2011	बुध	11/05/2020	केतु	01/06/2034	शुक्र	27/05/2051
	00/00/0000	बुध	12/02/2013	केतु	07/10/2020	शुक्र	01/06/2037	सूर्य	14/03/2052
	00/00/0000	केतु	13/09/2013	शुक्र	07/12/2021	सूर्य	26/04/2038	चंद्र	14/07/2053
	30/04/2005	शुक्र	14/05/2015	सूर्य	14/04/2022	चंद्र	26/10/2039	मंगल	20/06/2054
शुक्र	13/11/2005	सूर्य	13/11/2015	चंद्र	13/11/2022	मंगल	12/11/2040	राहु	12/11/2056

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
12/11/2056		13/11/2075		12/11/2092		13/11/2099		14/11/2119	
13/11/2075		12/11/2092		13/11/2099		14/11/2119		01/05/2125	
शनि	16/11/2059	बुध	11/04/2078	केतु	10/04/2093	शुक्र	16/03/2103	सूर्य	03/03/2120
बुध	26/07/2062	केतु	08/04/2079	शुक्र	11/06/2094	सूर्य	15/03/2104	चंद्र	01/09/2120
केतु	04/09/2063	शुक्र	06/02/2082	सूर्य	16/10/2094	चंद्र	14/11/2105	मंगल	07/01/2121
शुक्र	04/11/2066	सूर्य	13/12/2082	चंद्र	17/05/2095	मंगल	14/01/2107	राहु	02/12/2121
सूर्य	17/10/2067	चंद्र	14/05/2084	मंगल	14/10/2095	राहु	13/01/2110	गुरु	20/09/2122
चंद्र	17/05/2069	मंगल	11/05/2085	राहु	31/10/2096	गुरु	13/09/2112	शनि	02/09/2123
मंगल	26/06/2070	राहु	28/11/2087	गुरु	07/10/2097	शनि	14/11/2115	बुध	08/07/2124
राहु	02/05/2073	गुरु	05/03/2090	शनि	16/11/2098	बुध	14/09/2118	केतु	13/11/2124
गुरु	13/11/2075	शनि	12/11/2092	बुध	13/11/2099	केतु	14/11/2119	शुक्र	01/05/2125

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 0 वर्ष 6 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म ज्येष्ठा नक्षत्र के तृतीय चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल पूर्वीय क्षितिज पर वृश्चिक लग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण भी उदित था। प्रस्तुत लग्नादिक प्रभाव आपके जीवन की सजीवता का चित्रण करता है। आप मन्द चरित्र के प्राणी है। आपकी व्यथित परिस्थिति जन सामान्य की दृष्टि में आपके रहस्यमय महत्वकांक्षा को विपरीत परिवेश में प्रस्तुत किया।

आप में धर्म का अल्प ज्ञान है। फिर भी आप एक धर्म प्रचारक के रूप में प्रायः सबों पर धार्मिक प्रभाव डालते हैं। वस्तुतः सत्य तो यह है कि आपके दृष्टिकोण से धार्मिक विचारधारा बहुतायत में प्राप्त करना। यह संप्रति स्वरूप है। अच्छी धर्मिक विचारधारा दुषित पद्दति को निश्चित रूप से स्वच्छ कर देता है।

आप अद्म्य उत्साह से युक्त होकर अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु समर्पित हैं तथा स्वतंत्र विचार से भक्ति उपासना की समतुल्यता हेतु स्थिर चित्त से विजयोल्लासित हैं। वास्तव में आप मुसीबतों से संघर्ष करने में आनन्द प्राप्त करते हैं। जिस प्रकार कठिन संघर्ष एवं युद्ध में विजय श्री का आनंद मधुर फलदायी होता है।

समाज में आपकी छवि चतुरता पूर्ण ढंग से अच्छी प्रकार एवं सावधानी पूर्वक अपना कार्य व्यवसाय संचालित करने वाले की श्रेणी में हैं। आपमें दृढ़ कार्य क्षमता के गुण विद्यमान है। परंतु द्वितीय कर्मस्थल पर एवं पत्नी की समस्या का समाधान विशालकाय प्रतीत होता है। आप अपने घर परिवार को प्रसन्नता पूर्वक विकसित करने के इच्छुक हैं। अतएव आप अपनी प्रेमिका को प्रसन्न रखने के बिंदु पर प्रयत्नशील रहते हो। परंतु आप अपनी पत्नी को किसी भी प्रकार के पश्चाताप का अवसर नहीं देना चाहते है। आपका कुछ समय इसी चिंतन में व्यतीत हो जाता है। इस कारणवश आपको पूर्व सूचित किया जाता है कि आप यौन रोग से प्रभावित हो सकते हैं। अतएव गुप्तरूप से वासनात्मक अर्थात संभोगात्मक रोगादि से रक्षित रहें।

आप अपने स्वास्थ्य की रक्षा के प्रति उचित स्रोत अपनाएं अन्यथा आप अर्श रोग तथा ट्यूमर रोग से जीवन के 13 वें वर्ष 27 वें, 31 वें एवं 49 वें वर्षादि में दुःखी हो सकते हैं। उत्तम तो यह है कि समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहें।

आप सामान्यतः अपने कार्य व्यवसाय को अन्यों के साथ करना अस्वीकार्य करते हैं। परंतु यदि कोई आपको उत्तेजित कर दें तो आप बिच्छू के समान ढंक मार कर वृश्चिक राशीय गुणों को चरितार्थ कर सकते हैं। इसलिए आपको अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृति के प्रति सीमित रहना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में कार्य व्यवसाय संपादन हेतु अनुकूल दिन रविवार, सोमवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन उत्तम है। परंतु बुधवार शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके लिए अनुकूल नहीं है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। परंतु आपके लिए

अंक 5, 6 एवं 8 अंक प्रतिकूल है।

आपकी महत्वकांक्षा एवं अनुकूलता हेतु रंग लाल, नारंगी, पीला एवं क्रीम रंग है। परंतु रंग हरा, नीला एवं सफेद रंग आपके हित प्रतिकूल है।